



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006**
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com



0ekd% ,Q@,xk@,xkeV-@25
ft yk& chdkuj

fnukd% 17.10.2025

**मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 17 अक्टूबर 2025 से 21 अक्टूबर 2025 तक**

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षा: इस दौरान अधिकतम तापमान 28.4 से 37.3 °C एवं न्यूनतम तापमान 14.8 से 23.0 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 60 से 95% रही।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणी: भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (17.10.2025 से 21.10.2025) 17.10.2025 से 21.10.2025 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 19.0-20.0°C और अधिकतम तापमान 34.0-35.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी पूर्वी, पूर्वी, पूर्वी दक्षिणी पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	17.10.2025	18.10.2025	19.10.2025	20.10.2025	21.10.2025
वर्षा) एम.एम. (	0	0	0	0	0
आसमान में बादलों की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान (° C)	35	34	34	34	34
न्यूनतम तापमान (° C)	19	19	19	20	20
वायु दिशा	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	पूर्वी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	13	14	15	14	13
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	26	24	28	28	25
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	9	11	9	7	9
वर्षा) एम.एम. (	00.00				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।			
विशेष सलाह	बादलों के मौसम के दौरान पत्तियों पर रसायनों का छिड़काव न करें। पानी की एक-एक बूँद बचाएँ। फसलों और बागों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण का पता लगाने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें।		
फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	परिपक्वता	सिंचाई	मूंगफली की फसल में फली विकास एवं परिपक्वता अवस्था पर आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करें।
मोठ/मूंग/बाजरा/ग्वार	परिपक्वता	फसल कटाई	मोठ/मूंग/बाजरा/ग्वार की फसल को कार्योकी परिपक्वता पर काटें। कटी हुई फसल को वर्षा से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
चना/तारामीरा/सरसों	बुआई की तैयारी	बुआई का समय, बीज दर, बीजोपचार एवं किस्में	बारानी चना, तारामीरा अथवा सरसों की बुआई का उचित समय, एक बीघे भूमि क्षेत्र में चने का 15-20 किलोग्राम बीज तथा तारामीरा एवं सरसों का 1-1 किलोग्राम बीज प्रयोग करें। बुआई से पहले चने के बीज को 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम/किलो बीज और सरसों के बीज को 5 ग्राम एप्रोन 35 एसडी/किग्रा बीज को उपचारित करें। जोन 1 सी के लिए देसी चना की जी. एन. जी. 2144, जी. एन. जी. 1958, जी. एन. जी. 1581, जी. एन. जी. 1488 एवं काबुली चना की जी. एन. जी. 1969, जी. एन. जी. 1499 एवं सरसों की गिरिराज, आर. जी. एन. 73, आर. जी. एन. 229, आर. एच. 749, आर. जी. एन. 48, आर. एच. 119 तथा तारामीरा की आर. टी. एम. 314, आर. टी. एम. 2002 उन्नत किस्मों का चुनाव करें।
उद्यानिकी	सिंचाई एवं छिड़काव	नर्सरी तैयार	किन्नों के नये बाग लगाने हेतु 6 मीटर x 6 मीटर की दूरी पर 1 मीटर x 1 मीटर x 1 मीटर आकार के गड्ढों की खुदाई कर 20 दिन खुला छोड़ दें। खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें। टमाटर एवं बैंगन की नर्सरी तैयार करें। फूलगोभी की अगेती किस्मों तथा पत्तागोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।
चारा प्रबंधन	बुआई	बुआई	मूली, गाजर, धनिया, पालक आदि की बुवाई के लिए समय उपयुक्त है। बरसीम की पहली कटाई से अधिक चारा उत्पादन प्राप्त करने के लिए बुआई के समय चाइनीज कैबेज या जई का बीज मिला दें।
पशुधन	खाद्य प्रबंधन	स्वास्थ्य प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ। पशुओं (बछड़े और गैर गर्भवती स्तनपान कराने वाली गायों) को एंडो परजीवियों के खिलाफ कृमिनाशक दवा दें। स्वास्थ्य बनाए रखने और दूध बुखार और प्रोलैप्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए प्रत्येक दुधारू पशु को उसके शरीर के वजन के अनुसार 20 से 50 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाएं।

सह-आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा